Proficiency in teaching(शिक्षण में दक्षता)

प्रशान्त कुमार यादव ,
सहायक प्रोफेसर, शिक्षा संकाय,
दर्शन साह महाविद्यालय कटिहार

- किसी बात को सीखने या समझना के दो पक्ष होते हैं पहला सैद्धांतिक दूसरा व्यवहारिक या क्रियात्मक पुणे राम सैद्धांतिक पक्ष का सीखना मानसिक रूप से अधिक होता है जबकि व्यवहारिक पक्ष का संबंध क्रियात्मक रूप में होता है। यदि इस बात का गंभीरता से विचार किया जाए तो ज्ञान के दोनों पक्षों में व्यवहारिक पक्ष ही अधिक महत्वपूर्ण है और वही वास्तविक ज्ञान है। जिन सिद्धांतों को व्यवहार में नहीं लाया जा सकता है उसके सीखने का कोई लाभ भी नहीं होता है। इस दृष्टि से शिक्षण में कुशलता या प्रवीणता की प्राप्ति वास्तविक रूप से प्रभावी शिक्षण ही माना जाता है। प्रभावी शिक्षण एक कुशलता के साथ साथ ना होकर अनेक प्रकार का कौशल से युक्त ज्ञान होता है। जिसमें कभी हमें छात्रों का ध्यान पाठ पर केंद्रित करने के लिए पाठ प्रस्तावना कौशल में दक्ष होना पड़ता है तू कभी कठिन अंशों की व्याख्या के लिए उसका सोदाहरण व्याख्या करना पड़ता है।

- पद्यांश को समझने की दृष्टि से कभी हम मौखिक रूप से उदाहरण देते हैं तो कभी हम श्यामपट्ट कौशल का प्रयोग करते हैं। वस्तुतः देखा जाए तू शिक्षण के विभिन्न कौशलों में दक्षता या प्रवीणता ही शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य है। यही कारण है किस शिक्षण के लिए हम पाठ का निर्माण करते हैं और उस पाठ के अंतर्गत ही शिक्षक यह निर्धारित करता है कि कब कैसे क्या कितना क्यों कब तक किस प्रकार और किसके साथ शिक्षण करना है वस्तुतः। वस्तुत एक शिक्षक के प्रशिक्षण पर निर्भर करता है कि वह अपने ज्ञान विषय वस्तु पर पकड़ प्रस्तुतीकरण वातावरण पर नियंत्रण छात्रों से अधिगम प्रक्रिया कामा आदि को किस प्रकार नियंत्रित कर वांछित शैक्षिक उद्देश्य की प्राप्ति में सफल हो पाता है।

- (A) विस्तृत ज्ञान (comprehensive knowledge)----
- (1)विषय वस्तु का ज्ञान (Knowledge of Contents)
- (2) छात्रों का ज्ञान (Knowledge of Students)
- (3) शिक्षण विधियों का ज्ञान (Knowledge of Teaching Methods)
- (4) शिक्षण युक्तियों का ज्ञान(Knowledge of teaching devices)
- (5) शिक्षण तकनीकों का ज्ञान(Knowledge of teaching Techniques)
- (6) वातावरण का ज्ञान. (Knowledge of environment)

- (B) व्यवहारगत निष्पक्षता का ज्ञान (Knowledge of Behavioral impartiality)
- (C) योजना कौशल का ज्ञान ((Knowledge of Planning Skill)
- (D) प्रभावी संप्रेषण कौशल का ज्ञान (Effective Communication Skill)

- प्रभावी शिक्षण का अर्थ उन समस्त सचिव योजनाओं प्रक्रियाओं से है जिसके माध्यम से किया जाता है प्रभावी शिक्षण के लिए यह आवश्यक है कि अध्यापक छात्रों के अधिगम कौशलों का करें अधिगम वातावरण का निर्माण करें रुचि पूर्ण शिक्षा प्रदान करें और छात्रों के साथ सार्थक संवाद स्थापित करें। कभी-कभी यह देखा जाता है कि जो शिक्षक दक्ष्या प्रवीण नहीं होते हैं उनकी कक्षा में छात्र रुचि नहीं लेते हैं इसका कारण यह भी है कि वैसे शिक्षक उचित अधिगम वातावरण का सृजन नहीं कर पाते हैं और ना प्रभावी शिक्षण या संप्रेषण करके अपने शिक्षण को प्रभावशाली बना पाते हैं उन्हें राम

प्रभावी शिक्षण की प्रमुख विशेषताएं निम्नलिखित है

- स्वामी विवेकानंद ने कहा था की एक सही शिक्षक वही है जो तुरंत शिक्षकों के सतर तक अपने को ला लेता है ।
- Following are the marks of good teaching:
- (1) Good teaching recognises individual differences .
- (2) Good teaching is causing to learn.
- (3) Good teaching provides opportunity for activity.
- (4) Good teaching involves skill in guiding learning.
- (5) Good teaching is kindly and sympathetic .
- (6) Good teaching reduce the distance between the teacher and the taught.

- (7) good teaching is not tied to any method method.
- (8) Good teaching is cooperative.
- (9) Good teaching is Kindly and sympathetic.
- (10)Good teaching involves careful planning.
- (11) Good teaching is democratic.
- (12) Good teaching provides desirable and selectiveinformation.
- (13)Good teaching helps the child to adjust himself to his environment.
- (14) Good Teaching is progressive.
- (16)Good teaching leads to emotional stability.
- (Good teaching is both diagnostic and remedial.

Quality teaching

- (1) Effective teaching is a comprehensive concept list of several variables are involved in teaching.
- (2) Types of variables play their roles in teaching learning situation.
- (3) what and how effective teaching should be careful comprehended.
- (4) There are several models of teaching and it should be considered in the overall context of teaching.
- (5) A teacher should adopt an electric approach in the selection of a model.
- (6) developing a personal model of teaching in consonance with the requirements of quality teaching should become the Cherished goal of every teacher.

- (8) quality teaching results from a Teacher's skill at creating both intellectual excitement and positive report with students.
- (9) The development of good report is based on three qualities in the teacher's interaction with students:
- the teacher cares for a student's progress ,
- The teachers has consideration for students as learners and the teachers respects students as individuals.
- (10) The three elements involved in teaching competence which contribute to teachers authority and Prestige are mastery over the subject interest in the subject and effective learning situations and experiences.
- (11) quality teaching presupposes an understanding mind,a felling heart and lofty personality.

Meaning and place of awareness,skills,Competencies and Commitment

- जागरूकता कौशल योग्यता और कथन का अर्थ एवं स्थान
- शिक्षक को विकास का केंद्र और तेज पुंज माना जाता है । शिक्षक की दूरदृष्टि के ही कारण समाज उसे सम्मान देता है ।गोस्वामी तुलसीदास के अनुसार माता पिता अरू गुरु की बानी, बिना विचारे करिऊशुभ जानी अर्थात गुरु की वाणी में हमेशा भलाई और विकास की भावना छिपी होती है। शिक्षक यदि दूरदृष्टि का है तो वह बालक का सर्वांगीण विकास करेगा और वह अपने द्वारा दिए गए ज्ञान के द्वारा वर्तमान के साथ-साथ भविष्य का भी निर्माण करेगा। दूरदृष्टि शिक्षक हमेशा भविष्य के परिणामों के बारे में सोचता है और सजग रहते हुए वह हमेशा कार्यरत रहता है। इसीलिए हम कर सकते हैं कि शिक्षक का जागरूक रहना ही समाज के भलाई में है। एक जागरूक शिक्षक ही समाज को सही दिशा वह दशा प्रदान कर देश को प्रगति के रास्ते पर अग्रसर कर सकता है।

जागरूकता या AWARNESS

- शिक्षक एक पैशेवर के रूप में कक्षा में अध्यापन करने जाता है और अपने ज्ञान, व्यवहार ,हाव भाव ,प्रस्तुतीकरण की तकनीकों, विषय वस्तु के क्रमबद्ध ,नियोजित प्रस्तुतीकरण, कक्षा कक्ष के नियंत्रण, संचालन के माध्यम से सारे परिस्थितियों को नियंत्रित करते हुए छात्रों की अभिवृत्तियों ,योग्यताओं ,क्षमताओं , रुचि, रुझान को ध्यान में रखकर शिक्षण का कार्य करता है और वांछित उद्देश्य की प्राप्ति में कार्य करता है। इसके लिए उनमें प्रोफेशनल अवेयरनेस या अभिवृत्ति संबंधी सजगता करना आवश्यक है ।
- शिक्षा संबंधी समस्त शैक्षिक विचारधारा ,मन्याताओं ,अवधारणों का ज्ञान
- छात्रो के सामाजिक, आर्र्थिक,सांस्कृतिक, भाषायी,रंग, नस्ल एवं क्षेत्रीयता का पूर्ण ज्ञान।
- कक्षाकक्ष प्रबंधन का पूर्ण ज्ञान।
- (1) विषयवस्तु की पूर्ण जानकारी
- (2)संप्रेषण का पूर्ण ज्ञान
- (3) भाषा संबंधी दक्षताएं
- (4)पाठ के व्याख्या का पूर्ण ज्ञान
- (5) उचित संदर्भित उदाहरण प्रस्तुत करने का ज्ञान

- (6) विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान के प्रति सजगता।
- (7) विदयार्थियों के रुचि,रुझानों, योग्यताओं, क्षमताओं ,के प्रति सजगता
- (8) छात्रों के ग्रहणशीलता तथा सीखने की गति के प्रति सजगता।
- (9) शिक्षकों को अपने पूर्वाग्रहो ,मान्याताओं से मुक्त रहने की सजगता।
- (10) नकारात्मक अभिवृत्तियो के प्रति सजगता।
- (11) छात्रों के स्वायत्ता के प्रति सजगता
- (11) छात्रों के जरूरतो के प्रति सजगता
- (12) प्रबंधन संबंधी दक्षता
- (13) समुदायों के साथ संबंध स्थापित करने की दक्षता।
- (14) मूल्यांकन संबंधी दक्षता।
- (15) अपने अनुकूल वातावरण निर्मित करने की दक्षता।
- (16) विद्यालय के सारे रिकॉर्ड संबंधित ज्ञान।
- (17)पाठ्यसहगामी क्रियाओं का ज्ञान